

16/5/18

प्रभावलीपेश (बाहीगण वा नकीनवाही कोरु उपरुही कोरु/वा
का (कावाज नगावार्ड गडु/ कक च्चकि साधं कं उ यजयुके उरुके
वा (कावाज नगावार्ड गडु/ कोरु उपरुहित नही काया/वा ही कोरु
श्रीक होरु ही उपरुहित आद/ कन: कोरु ककमीवाही उरुके
पट्टेप कल ककम हारी इपके ली कं लारी कीजरी ही
कल लालुका हो/ गमल रं कक ही/ काड लकरीलपम
जिवा लेख गडा हो/ बुगपागपा/